भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 199

उत्तर देने की तारीख 20.07.2023

पारंपरिक कलाओं का विकास

199. श्री दिलीप शइकीया:
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:
श्री मोहन मंडावी:
श्री अरूण साव:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री सुनील कुमार सोनी:
श्री विजय बघेल:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में विशेषकर गुजरात, महाराष्ट्र, असम और छत्तीसगढ़ में पारम्परिक कलाओं के विकास के लिए बनाई गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 'एक जिला एक उत्पाद' नामक योजना, जो 'ओडीओपी' के नाम से लोकप्रिय है, की तर्ज पर अन्य राज्यों की स्थानीय कलाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने की उक्त राज्यों की सरकारों द्वारा चलाई जा रही कोई योजना विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पारंपरिक कलाओं के लिए आबंटित निधि का योजना-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों सहित वर्तमान में इन योजनाओं के लाभार्थियों की जिला-वार संख्या कितनी है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा)

(क) से (ग) एमएसएमई मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक केंद्रीय क्षेत्र स्कीम, परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन हेतु निधि स्कीम (स्फूर्ति) कारीगरों की आय में सतत वृद्धि के लिए परंपरागत उद्योगों और कारीगरों को विनिर्माण उद्यमों के रूप में समूहों में संगठित करने पर ध्यान केंद्रित करती है। स्फूर्ति के अंतर्गत शामिल परंपरागत क्षेत्रों में वस्त्र, हस्तशिल्प, बांस, कृषि-प्रसंस्करण, शहद, खादी, कयर आदि हैं। स्फूर्ति एक अखिल भारतीय स्कीम है और देश के परंपरागत क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करती है परंतु विशेष रूप से 'एक जिला एक उत्पाद' की तर्ज पर नहीं और परंपरागत कलाओं के लिए स्फूर्ति बजट में कोई विशेष निधि आबंटित नहीं की गई है।

(घ) दिनांक 30.06.2023 की स्थिति के अनुसार, बिलासपुर जिले से 927 कारीगरों सहित देश भर में स्फूर्ति के अंतर्गत लगभग 3.03 लाख कारीगर लाभान्वित हुए हैं। छत्तीसगढ़ के मुंगेली और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों कोई स्फूर्ति क्लस्टर नहीं है।

*****